

---

# Ramastotram

रमास्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Ramastotram

File name : ramAstotram.itx

Category : devii, stotra, pArvatI

Location : doc\_devii

Author : shrIhulagIshriyaHpatyAchArya

Proofread by : Pranav Tendulkar

Description/comments : Mantra Stotra Sangraha

Acknowledge-Permission: Vishwa Madhwa Maha Parishat

Latest update : November 14, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 14, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Ramastotram

---

### रमास्तोत्रम्

---



जय कोल्हापुरनिलये भजद्विष्टेतरविलये ।  
तव पादौ दृष्टि कलये रत्नरचितवलये ॥ १ ॥

जय जय सागरजते कुरु करुणां मयि भीते ।  
जगदम्भामिधया ते श्रुवति तव पोते ॥ २ ॥

जय जय सागरसदना जय कान्त्या जितमदना ।  
जय दृष्टान्तककदना कुन्दमुकुलरदना ॥ ३ ॥

सुररमणीनुतयराणे सुमनःसङ्कुटलरणे ।  
सुस्वररञ्जितवीराणे सुन्दरनिजकिरारे ॥ ४ ॥

भजद्विन्दीवरसोमा भवमुप्यामरकामा ।  
भयमूलाणिविरामा भञ्जितमुनिभीमा ॥ ५ ॥

कुङ्कुमरञ्जितकाले कुञ्जरभान्धवलोले ।  
कलधौतामलयैले कृन्तकुञ्जनजाले ॥ ६ ॥

धृतकरुणारसपूरे धनदानोत्सवधीरे ।  
ध्वनिलवनिन्दितकीरे धीरदनुजदारे ॥ ७ ॥

सुरदृत्पञ्जरकीरा सुमरोडापितडारा ।  
सुन्दरकुञ्जविडारा सुरवरपरिवारा ॥ ८ ॥

वरकभरीधृतकुसुमे वरकनकाधिकसुषमे ।  
वननिलयाद्यभीमे वदनविजितसोमे ॥ ९ ॥

मदकलभालसगमने मधुमथनालसनयने ।  
मृदुलोवालकरयने मधुरसरसगाने ॥ १० ॥

व्याघ्रपुरीवरनिलये व्यासपदार्पितलुदये ।  
कुरु करुणां मयि सदये विविधनिगमगेये ॥ ११ ॥

एति श्रीडुलगीश्रियःपत्याचार्यविरचितं श्रीरमास्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Pranav Tendulkar

---



*Ramastotram*

pdf was typeset on November 14, 2021



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

